

समाज में समता का भाव अत्यंत महत्वपूर्ण : डॉ. यादव



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समाज में समता और

सामाजिक सद्भाव का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि समाज में विभाजन की रेखाओं को समाप्त

करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास में

पंजाब से आए पंचतीर्थ यात्रा के तीर्थयात्रियों के स्वागत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री

ने बताया कि पंचतीर्थ यात्रा 14 मई को मोहाली (चंडीगढ़) से प्रारंभ हुई थी और 21 जून को दिल्ली में संपन्न होगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु डॉ. अंबेडकर की जन्मस्थली महु, दीक्षाभूमि नागपुर, इंदु मिल मुंबई तथा निर्वाण स्थल दिल्ली सहित प्रमुख स्थलों के दर्शन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश और पंजाब के संबंध इस प्रकार के सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों से और अधिक मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग की उन्नति आवश्यक है तथा आपसी सद्भाव ही राष्ट्र निर्माण का आधार है। कुछ लोग समाज को बांटने और महापुरुषों का अपमान करने का कार्य करते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सामाजिक समानता और समरसता को सुदृढ़ करने का प्रयास किया

जा रहा है।

डॉ. अंबेडकर के विचारों का केवल स्मरण ही नहीं किया जा रहा, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलने का भी प्रयास हो रहा है। पंचतीर्थ यात्रा 14 मई को मोहाली से प्रारंभ हुई थी और 21 जून को दिल्ली में सम्पन्न होगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु डॉ. अंबेडकर की जन्मस्थली डॉ. अंबेडकर नगर (महु), दीक्षाभूमि नागपुर, इंदु मिल मुंबई तथा निर्वाण स्थल दिल्ली का दर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यात्रियों को बाबा महाकाल की प्रतिमा भेंट कर आगामी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। श्रद्धालुओं ने मध्यप्रदेश में मिले आत्मीय स्वागत और आतिथ्य के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री तुलसी सिलावट, गौतम टेटवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व को मिला राष्ट्रीय सम्मान



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध वन्यजीव पर्यटन स्थल बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व को 'ईंडिया टुडे टूरिज्म सर्वे एंड अवार्ड्स-2026' में 'एडिटेड चॉइस अवार्ड - सर्वश्रेष्ठ वन्यजीव पर्यटन स्थल' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार वन्यजीव संरक्षण, उत्कृष्ट पर्यटन प्रबंधन, पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने तथा जैव विविधता के संरक्षण में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री डॉ.

मोहन यादव के मार्गदर्शन और राज्य सरकार की वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम मानी जा रही है। गोवा में आयोजित पुरस्कार समारोह में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जगदीश शंकर शिंदे तथा गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने यह सम्मान प्रदान किया। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व की ओर से फोल्ड डायरेक्टर डॉ. अनुपम सहाय और अपर मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णमूर्ति ने पुरस्कार प्राप्त किया।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 155 अधिकारियों के तबादले, बीस डिप्टी जेलर भी बदले

मध्यप्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा (एसएसएस) अधिकारियों का अब तक का बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए दो अलग-अलग आदेश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 15 जून को जारी आदेशों में 155 से अधिक अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। इनमें अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, प्रभारी डिप्टी कलेक्टर, अवर सचिव, उप सचिव और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।



तबादला सूची में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, रीवा, सागर, विदिशा, नर्मदापुरम, सीहोर, धार, खरगोन, बालाघाट, पन्ना, मंडला, छिंदवाड़ा, सिंगरौली, श्योपुर, अलीराजपुर, डिंडोरी, शिवपुरी, दमोह, टीकमगढ़, रातना, राजगढ़, शाजपुर, कनौरी, सीधी, देवास, निवाड़ी, पाण्डुरंग, मऊगंज और अन्य जिलों में प्रशासनिक बदलाव किए गए हैं।

कई बड़े जिलों में बदले अधिकारी

इन अधिकारियों के तबादले रहे प्रमुख

डॉ. शालिनी श्रीवास्तव को रतला में आगर-मालवा अपर कलेक्टर बनाया गया। महेंद्र सिंह कवठे को दतिया से भोपाल अपर कलेक्टर पद पर भेजा गया। नीता राठौर को जबलपुर अपर कलेक्टर की जिम्मेदारी मिली। राकेश कुमार वैश्य को इंदौर अपर कलेक्टर बनाया गया। अनुराग जैन को मंडसौर से बुरहानपुर अपर कलेक्टर नियुक्त किया गया। रोशन राय

को इंदौर से महर अपर कलेक्टर भेजा गया। अरविंद कुमार सिंह को नरसिंहपुर अपर कलेक्टर की जिम्मेदारी मिली। अखिलेश कुमार सिंह को सिंगरौली से जबलपुर अपर कलेक्टर बनाया गया। रविशंकर राय को भोपाल से जबलपुर स्थानांतरित किया गया। बुजेंद्र कुमार रावत को नर्मदापुरम से रतला अपर कलेक्टर पद पर भेजा गया।

प्रमुख बदलावों में शामिल : प्रताप सिंह धुवें को मंडला डिप्टी कलेक्टर बनाया गया। आर.के. सिन्हा को रीवा से मुरैना भेजा गया। शिवलाल शाक्य को मंडसौर से श्योपुर स्थानांतरित किया गया। नितिन कुमार ताले को सीहोर से नर्मदापुरम भेजा गया। कलावती ब्योरे को नरसिंहपुर से जबलपुर भेजा गया। श्रुति अग्रवाल और लोकेन्द्र सिंह सरल को इंदौर संयुक्त कलेक्टर बनाया गया। राहुल गुप्ता को धार से इंदौर भेजा गया। विकास कुमार आनंद को अशोकनगर में संयुक्त कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी (गैल इंडिया) की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई।

मंत्रालय और निगमों में भी बड़े बदलाव

सरकार ने कई अधिकारियों को मंत्रालय में उप सचिव एवं अपर सचिव के पदों पर पदस्थ किया है। वहीं कुछ अधिकारियों को मप्र स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, भवन विकास निगम, औद्योगिक विकास निगम, नागरिक आपूर्ति निगम, आयुष्मान भारत, राज्य लोक सेवा अधिकरण और विभिन्न विभागों में नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

दूसरे आदेश में भी 99 अधिकारियों का तबादला

दूसरे आदेश के तहत संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर और प्रभारी डिप्टी कलेक्टर स्तर के 99 अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। इसमें कई अधिकारियों को मंत्रालय में अवर सचिव बनाया गया, जबकि कई जिलों में नए संयुक्त एवं डिप्टी कलेक्टर पदस्थ किए गए हैं।

जेल विभाग में भी तबादले... भोपाल-ग्वालियर समेत कई जेलों के अधीक्षक बदले

जेल विभाग में लंबे समय बाद बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं। विभाग ने केंद्रीय जेलों और जिला जेलों के अधीक्षकों सहित 20 डिप्टी जेलरों के स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। तबादलों को हाल के घटनाक्रमों और प्रशासनिक आवश्यकताओं से जोड़कर देखा जा रहा है।

नए आदेश के तहत मानवेन्द्र सिंह परिहार को भोपाल केंद्रीय जेल का अधीक्षक बनाया गया है। वहीं ग्वालियर केंद्रीय जेल के अधीक्षक विदित सरवैया को हटाकर शिवपुरी जिला जेल भेज दिया गया है। हाल ही में ग्वालियर केंद्रीय जेल के भीतर नये और पैसें के लेन-देन से जुड़े वीडियो वायरल होने के बाद यह कार्रवाई चर्चा में रही। बताया जा रहा है कि जेल के अंदर के ऐसे वीडियो पहली बार 20 डिप्टी जेलर भी बदले सार्वजनिक रूप से सामने आए

हैं। ग्वालियर केंद्रीय जेल की जिम्मेदारी अब राकेश भांगरे को सौंपी गई है। वहीं गोहद उपजेल में पिछले नौ वर्षों से पदस्थ डिप्टी जेलर हेम सरिता मिंज का तबादला ग्वालियर केंद्रीय जेल किया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह गोहद जेल से पाँचसो एक्ट का एक बंदी दिनदांडे फरार हो गया था।

इधर, दिनेश नरगावे को इंदौर केंद्रीय जेल का अधीक्षक नियुक्त किया गया है, जबकि अलका सोनकर को इंदौर केंद्रीय जेल से हटाकर जेल मुख्यालय से अटैच किया गया है। जेल मुख्यालय द्वारा जारी आदेश में अधीक्षकों के साथ-साथ 20 डिप्टी जेलरों के भी तबादले किए गए हैं। विभागीय स्तर पर इसे जेल प्रशासन को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

खास-खबरें

मुख्यमंत्री ने डॉ. प्रफुल्ल चंद्र राय की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय रसायन विज्ञान के जनक व महान शिक्षाविद डॉ. प्रफुल्ल चंद्र राय की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। डॉ. राय ने देश में 'बंगाल केमिस्ट्रि एंड फार्मास्युटिकल्स वर्कस लिमिटेड' की स्थापना कर दवा उद्योग की नींव रखी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. प्रफुल्ल चंद्र राय ने देश की इस पहली दवा कंपनी के जरिए उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की अलख जगाई। वे हम सभी के लिए सदैव प्रेरणापुंज बने रहेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने डॉ. अलका गुप्ता के निधन पर किया शोक व्यक्त

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, इंदौर की प्राचार्य डॉ. अलका गुप्ता के असाधारण निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अलका गुप्ता का निधन दंत चिकित्सा शिक्षा जगत एवं प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। अपने कार्यकाल में उन्होंने महाविद्यालय के विकास, आचारभूत संरचना के विस्तार, नवीन भवन निर्माण एवं शैक्षणिक सुविधाओं के उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके नेतृत्व में महाविद्यालय में सीटों की संख्या 40-50 से बढ़ाकर 100 किए जाने जैसे ऐतिहासिक कार्य हुए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि डॉ. गुप्ता का शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने इश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों एवं सहयोगियों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री ने चित्तरंजन दास की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महान स्वतंत्रता सेनानी और 'देशबंधु' के नाम से सुप्रसिद्ध श्रेष्ठ चित्तरंजन दास की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. श्री चित्तरंजन दास ने अपना जीवन देश की आजादी और गरीबों के उन्मुख के लिए समर्पित कर दिया। राष्ट्र निर्माण के लिए उनका त्याग और स्वराज को लेकर उनके विचार सदैव अनुकरणीय रहे।



साहब ने उतारी खुमारी

जिले के कुछ महारथी पूरे लाव-लशकर के साथ साहब पर दबाव बनाने पहुंचे थे। सोचा था कि आज तो मैदान मार लेंगे, लेकिन साहब ने फाइलों और दस्तावेजों का ऐसा चक्रव्यूह रचा कि नेवागिरी की सारी हवा निकल गई। अंदर जो तेवर लेकर गए थे, बाहर आते-आते बगलें झांकते नजर आए। चैंबर से निकले तो चेहरों पर वही भाव था, जो बिना तैयारी परीक्षा देने वाले छात्र का होता है।



उम्मीद का दिया

साहब की कलेक्टर की सपना अब मंत्रालय की गलियों में सबसे पुरानी फाइलों में गिना जाने लगा है। बैच के साथी जिले नापते-नापते कई उपलब्धियां बटोर चुके हैं और साहब अब भी उम्मीद की गठरी कंधे पर टांगे बैठे हैं। हां, एक बड़े साहब के आशवासन ने उम्मीद का दिया अभी बुझने नहीं दिया है। अब देखा नाह है कि पहले आदेश निकलता है या इंतजार का धैर्य जवाब देता है।



हम बड़े, तुम छोटे की रास

मंत्रालय में एक सीधे भर्ती वाले साहब का एक बयान इनडायरेक्ट वालों के दिल पर ऐसा लगा कि पुरानी तलवारों से जंग उतरने लगी। दोनों खेमे अपनी-अपनी श्रेष्ठता साबित करने में जुट गए हैं। अफसोस यह है कि दो हाथियों की लड़ाई में घास ही कुचलती है। विभाग और छोटे कर्मचारी रोज इस अहंकार की कीमत चुका रहे हैं और तमाशा देखने को मजबूर हैं।

आदेश किसी का, रिपोर्ट किसी को

बड़े साहब इन दिनों असमंजस में हैं। उनके आदेशों का पालन पूरी निष्ठा से हो रहा है, लेकिन पालन की रिपोर्ट किसी और दरबार में पेश हो रही है। वजह सिर्फ इतनी है कि छोटे साहब को बड़े साहब का अंदाज रास नहीं आता। नतीजा यह कि आदेश इधर से निकलते हैं और वाहवाही उधर पहुंच जाती है।



कौन होगा प्रधान, कसरतें जारी

सरकार के प्रशासनिक मुखिया की कुर्सी को लेकर गलियों में खूब कसरत चल रही है। हर खेमा अपने उम्मीदवार को सबसे मजबूत बता रहा है। हालांकि अनुभवी लोग मुस्करा रहे हैं, क्योंकि पिछली बार भी जोड़-घटाव बहुत हुए थे और अंत में वही हुआ था जो ऊपर वाले ने मंजूर किया। इस बार भी दांव बहुत हैं, लेकिन पत्ता कौन खोलेगा, यह वक्त ही बताएगा।

हमारे भी तो अधिकार हैं

एक बड़े साहब की हिटलरशाही आखिर उनके अपने स्टाफ पर ही भारी पड़ गई। बरसों से मन मसोसकर काम कर रहे कर्मचारियों का धैर्य टूट गया और उन्होंने काम बंद कर साफ कह दिया कि अधिकार सिर्फ कुर्सी वालों के नहीं होते। मामला तूल पकड़ता, उससे पहले ही मैडम ने माहौल की नजाकत समझी, भविष्य में अच्छा व्यवहार करने का भरोसा दिया और क्षमा मांगकर आग पर पानी डाल दिया। फिलहाल मामला शांत है, लेकिन अंगार अभी पूरी तरह ठंडे नहीं हुए हैं।

